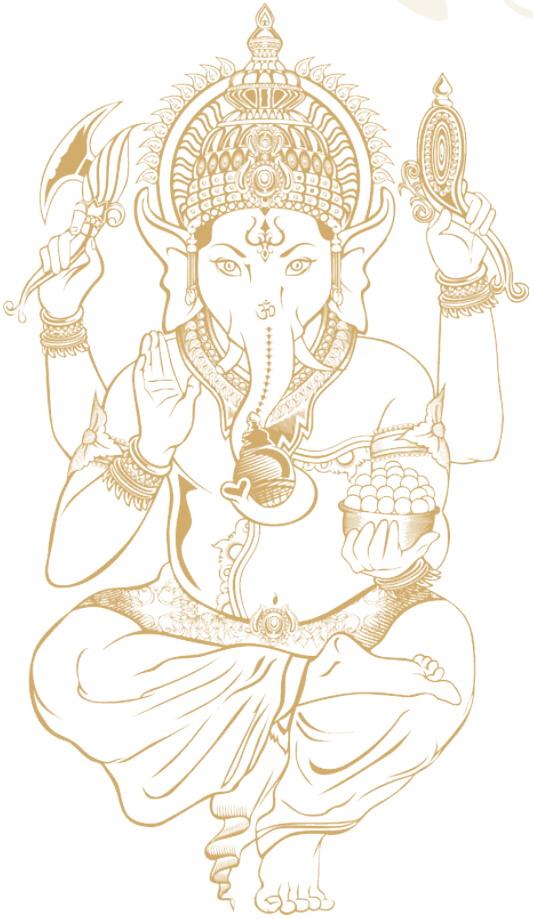

Priyansh

07 Jun 2001

11:50 AM

Muzaffarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119670704

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/06/2001**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:50:00 घंटे**
इष्ट	17:15:12 घटी
स्थान	**Muzaffarpur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:07:00 उत्तर
रेखांश	85:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:11:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:01:32 घंटे
वेलान्तर	00:01:11 घंटे
साम्पातिक काल	05:04:25 घंटे
सूर्योदय	04:55:55 घंटे
सूर्यास्त	18:38:50 घंटे
दिनमान	13:42:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	22:42:00 वृष
लग्न के अंश	23:39:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:39:03	323:12:09	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृष	22:42:00	00:57:23	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	06:37:19	12:27:47	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	व		धनु	00:54:24	00:17:41	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व		मिथु	05:45:08	00:13:10	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु		अ	वृष	27:57:59	00:13:50	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	06:54:54	00:57:05	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि		अ	वृष	12:07:58	00:07:41	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	12:28:27	00:00:27	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	12:28:27	00:00:27	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		कुंभ	00:56:08	00:00:25	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:42:36	00:00:50	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:58:30	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	23:20:10	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:20

लग्न-चलित

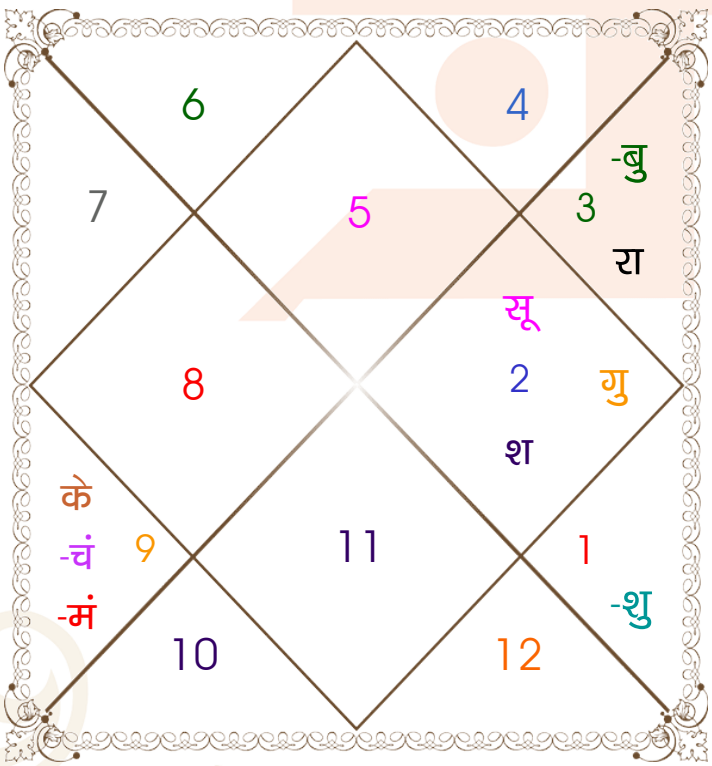

चन्द्र कुंडली

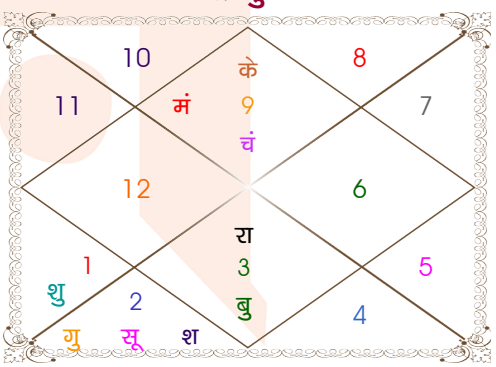

नवमांश कुंडली

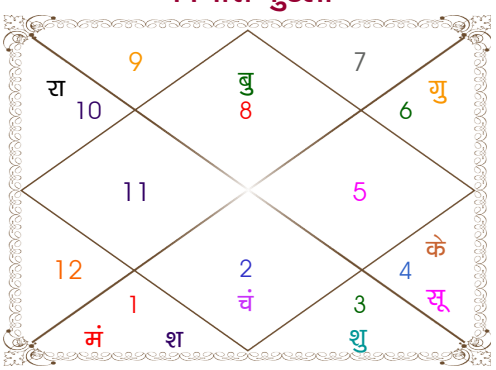

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/06/2001		15/12/2004		15/12/2024		15/12/2030		15/12/2040	
15/12/2004		15/12/2024		15/12/2030		15/12/2040		16/12/2047	
	00/00/0000	शुक्र	15/04/2008	सूर्य	04/04/2025	चंद्र	16/10/2031	मंगल	13/05/2041
	00/00/0000	सूर्य	16/04/2009	चंद्र	03/10/2025	मंगल	16/05/2032	राहु	01/06/2042
	00/00/0000	चंद्र	15/12/2010	मंगल	08/02/2026	राहु	15/11/2033	गुरु	08/05/2043
	00/00/0000	मंगल	15/02/2012	राहु	03/01/2027	गुरु	17/03/2035	शनि	15/06/2044
	07/06/2001	राहु	14/02/2015	गुरु	22/10/2027	शनि	15/10/2036	बुध	13/06/2045
राहु	03/12/2001	गुरु	15/10/2017	शनि	03/10/2028	बुध	17/03/2038	केतु	09/11/2045
गुरु	09/11/2002	शनि	15/12/2020	बुध	09/08/2029	केतु	16/10/2038	शुक्र	09/01/2047
शनि	19/12/2003	बुध	16/10/2023	केतु	15/12/2029	शुक्र	15/06/2040	सूर्य	17/05/2047
बुध	15/12/2004	केतु	15/12/2024	शुक्र	15/12/2030	सूर्य	15/12/2040	चंद्र	16/12/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/12/2047		15/12/2065		15/12/2081		16/12/2100		16/12/2117	
15/12/2065		15/12/2081		16/12/2100		16/12/2117		00/00/0000	
राहु	28/08/2050	गुरु	02/02/2068	शनि	18/12/2084	बुध	15/05/2103	केतु	14/05/2118
गुरु	20/01/2053	शनि	16/08/2070	बुध	28/08/2087	केतु	11/05/2104	शुक्र	14/07/2119
शनि	27/11/2055	बुध	21/11/2072	केतु	06/10/2088	शुक्र	12/03/2107	सूर्य	19/11/2119
बुध	16/06/2058	केतु	28/10/2073	शुक्र	07/12/2091	सूर्य	16/01/2108	चंद्र	19/06/2120
केतु	04/07/2059	शुक्र	28/06/2076	सूर्य	18/11/2092	चंद्र	17/06/2109	मंगल	16/11/2120
शुक्र	04/07/2062	सूर्य	16/04/2077	चंद्र	19/06/2094	मंगल	14/06/2110	राहु	08/06/2121
सूर्य	29/05/2063	चंद्र	16/08/2078	मंगल	29/07/2095	राहु	31/12/2112		00/00/0000
चंद्र	27/11/2064	मंगल	23/07/2079	राहु	04/06/2098	गुरु	08/04/2115		00/00/0000
मंगल	15/12/2065	राहु	15/12/2081	गुरु	16/12/2100	शनि	16/12/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।